

**Shri Humayun Kabir:** Survey is a continuous process and we can only say what has been spent in a particular year. In 1962-63, the provisional figures are Rs. 3.29,23,000 for the Survey of India.

### केन्द्रीय संस्थान, शिमला

\*१०१३. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला के आर्थिक और संगठनात्मक ब्योरे पर विचार करने के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या समिति ने अपना प्रतिवेदन दे दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो प्रतिवेदन की मुख्य बातें क्या हैं और उन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

**The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali):** (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

[(क) जी, हां ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।]

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** इस सम्बन्ध में समाचारपत्रों में जो समाचार प्रकाशित हुए हैं वे गलत हैं या उन में कोई सच्चाई है, क्या मंत्री महोदय इस पर प्रकाश डालने की कृपा करेंगे ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** मुझे मालूम नहीं क्या समाचार प्रकाशित हुए हैं और किन समाचारों की तरफ माननीय सदस्य का संकेत है । मैं इतना कह सकता हूँ कि शिमला में जो इंस्टीट्यूट स्थापित होने जा रहा है वह एक रजिस्टर्ड सोसाइटी होगी और वह उसके सारे एडमिनिस्ट्रेशन को देखेगी । कमेटी नियुक्त हुई है कि किस तरह से उसके काम को चलाया

जाए और इस पर विचार किया जा रहा है । ज्यों ही रिपोर्ट आ जाएगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी ।

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** शिमला में जिम प्रस्तावित संस्था के बारे में भ्रमी माननीय मंत्री जी ने बताया है, उस सम्बन्ध में क्या वह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस संस्था का उद्देश्य क्या है और वह कब तक काम अपना प्रारम्भ कर देगी ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** उद्देश्य यह है कि हमारे सारे विश्वविद्यालयों से जो स्कालर्स हैं, जो प्रोफेसर्स हैं, वे कुछ सीमित समाके लिए आयें, वहां रिसर्च वगैरह करें, एक अच्छी लाइब्रेरी का प्रबन्ध किया जाएगा दो जहीनों के लिए, तीन महीनों के लिए और जितनी भी सुविधायें हो सकें, दी जायें । उसके अलावा कुछ सैमीनार्स, हों कुछ रिसर्च के ऊपर गाइडेंस वगैरह मिलेगी, एडवांस स्टुडेंट्स और रिसर्च वगैरह के टीचर्स को ।

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** यह नहीं बताया गया है कि कब तक यह स्थापित हो जाएगी ।

**डा० का० ला० श्रीमाली :** इसका काम जल्दी ही शुरू हो जाएगा ।

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether the Central Government is going to provide for the funds or the State Government will be responsible for expenditure?

**Dr. K. L. Shrimali:** This is a Central Institute. It will be financed by the Government of India.

**Dr. Sarojini Mahishi:** Will it be a voluntary organisation or will it be sponsored by the Government of India?

**Dr. K. L. Shrimali:** This will be an autonomous organisation, and not a voluntary organisation. It will be financed by the Government of India.

**श्री भक्त बर्शन :** जहां तक मुझे मालूम है, दिल्ली में पहले से ही एक सेंट्रल इंस्टीट्यूट

ग्राफ एजुकेशन के नाम से संस्था कार्य कर रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि इस में और इस संस्था में क्या अन्तर होगा और क्या इस संस्था को तो वहाँ स्थानांतरित नहीं किया जा रहा है ?

डा० का० ला० श्रीमाली : बहुत अन्तर है। जो सेंट्रल इंस्टीट्यूट ग्राफ एजुकेशन है वह तो शिक्षा पद्धति पर टीचर्स को कुछ ट्रेनिंग वगैरह देती है। लेकिन यह जो संस्था है यह विशेषकर ह्यूमैनिटीज के लिए है। हम चाहते हैं कि रिसर्च वगैरह के काफी साधन वहाँ उपलब्ध हों और सभी विश्वविद्यालयों से स्कालर, प्रोफेसर वगैरह जो हैं वे कुछ काल के लिए वहाँ जा कर रिसर्च वगैरह करें ताकि अच्छे वातावरण में उनको काम करने का मौका मिले।

#### Dehbar Commission

+

\*1014. { Shri H. C. Soy:  
Shri Besra:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Dhebar Commission has recommended and the Central and State Governments have accepted that rehabilitation and employment of the persons directly displaced by the big projects is to be the responsibility of those projects; and

(b) if so, the progress made so far in implementing this recommendation?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shrimati Chandrasekhar): (a) Yes.

(b) Details of implementation are being worked out in consultation with the concerned Ministries of Government of India and the State Governments.

श्री ह० च० सोय : मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस स्कीम को हृषिया में लागू किया जा रहा है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : इस में शक नहीं है कि जितनी तेजी से इस में काम होना चाहिये उतनी तेजी से नहीं हो रहा है। फिर भी अभी हम लोगों ने रुककेला प्राजैक्ट से पूछा था कि उन्होंने अपने यहाँ क्या किया है। उस सिलसिले में जो उन्होंने काम किया है, वह काफी संतोषजनक है। अगर इसी ढंग पर और भी प्राजैक्ट्स काम करें तो उससे आदिवासियों को बड़ी सहायता मिलेगी।

श्री ह० च० सोय : मैं जानना चाहता हूँ क्या तीसरी योजना के अन्दर अन्दर यह स्कीम लागू हो जायेगी ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : हम तो चाहते हैं कि बहुत पहले, यानी पंच वर्षीय योजना के खत्म होने के पहले ही ये जो भिन्न भिन्न नए प्राजैक्ट बनने वाले हैं, वहाँ इस स्कीम को माना जाए।

Shri Sham Lal Saraf: May I know if attempt is being made to rehabilitate such of the persons as are likely to be dispossessed from those places before the scheme comes into operation?

Shri Lal Bahadur Shastri: We are already doing something on these lines; this is an important part of this scheme. We will certainly try to rehabilitate those who are ousted.

Shrimati Renu Chakravarti: How is the compensation computed? Is the job given supposed to be the compensation or is there some sort of computation regarding the displacement itself?

Shri Lal Bahadur Shastri: Of course, compensation is given for different things. If land is acquired, for example, the value of the land and other things have to be taken into account, and payment is made for the land. Then the other possible thing is, we try to give them land in the place of the land which has been taken so that they can build their houses, or, if it is culturable land which is